A News Letter of Sanskriti University

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE

प्रतिबिम्ब

Volume:- 1 — August / September 2020

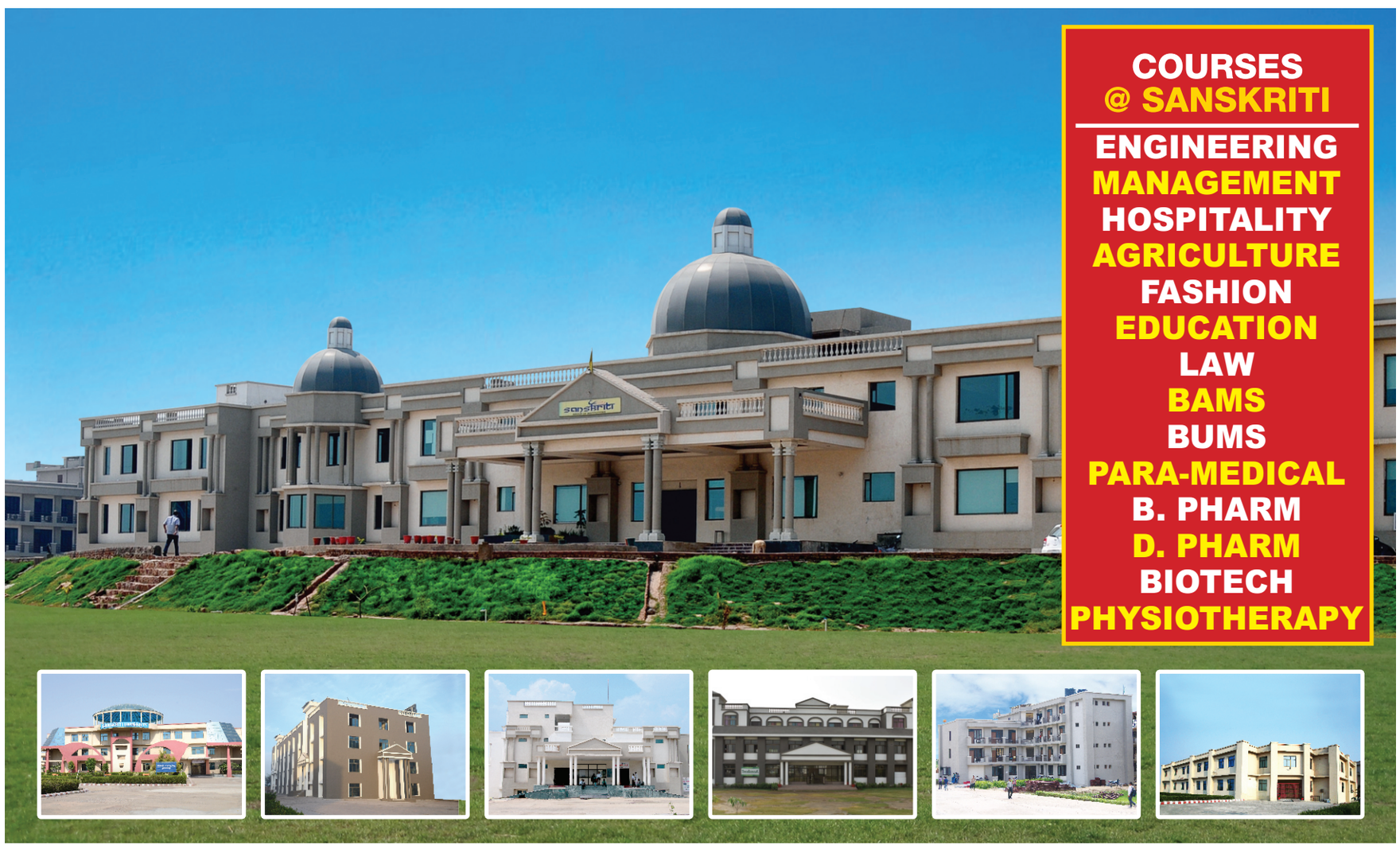

संस्कृति विवि ने नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रमों को जोड़ा रोजगार से

रिसर्च और स्किल वाली शिक्षा देगी सुनिश्चित रोजगार

मथुरा। भारत सरकार द्वारा घोषित की गई नई शिक्षा नीति 2020 के मद्देनजर संस्कृति विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से अपने कोर्स कैरिकुलम (पाठ्यक्रम) में आमूल चूल परिवर्तन किए हैं। पाठ्यक्रमों को रोजगार से जोड़ा गया है। ऐसे पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर सकें। रिसर्च आधारित और कौशलयुक्त पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं। कई सारे इंटर डिस्पलनरी कोर्सेज शामिल किए गए हैं। संस्कृति विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने जारी अपने एक संदेश में कहा कि उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव की जरूरत बहुत दिनों से महसूस की जा रही थी। भारत के ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इसपर गंभीरता बरतते हुए नई शिक्षा नीति घोषित की है। उच्च शिक्षा देने वाली संस्थाओं की जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने कोर्स कैरिकुलम को रि-डिजाइन कर स्किलफुल और इंटरप्रिन्योर विद्यार्थी तैयार करें। हमने

संस्कृति विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता

अपने विवि के पाठ्यक्रमों में बदलाव किए हैं। ये बदलाव नई शिक्षा नीति को देखकर और वर्तमान ग्लोबल मांग को देखते हुए किए गए हैं। भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत शिक्षण का ऐसा ढांचा बनाया है जिससे होकर गुजरने वाला विद्यार्थी न केवल ख्यातिप्राप्त राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के मानकों पर खरा उतरते हुए सहजता से रोजगार पाएगा, साथ ही वो इस लायक बन सकेगा कि अपना रोजगार खड़ा कर सके। उन्होंने कहा कि भारत बड़े अवसरों वाली भूमि है। यहां आज भी और आने वाले समय में विद्यार्थियों के लिए हर क्षेत्र में अनेक अवसर उपलब्ध होंगे। हमारे विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें इसलिए हम उनको इसी तरह की शिक्षा देना चाहते हैं। कुलाधिपति ने अपने संदेश में कहा है कि संस्कृति विवि भविष्य का आकलन कर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में धीरे-धीरे मजबूत कदम रख रहा है। हम बड़ी-बड़ी कंपनियों से लगातार समझौते कर रहे हैं, ताकि विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम की पढ़ाई दौरान ही रोजगार के प्रति निश्चिंत हो जाय। उसके पास नामचीन कंपनियों में सुनिश्चित साक्षात्कार के अवसर हों, ताकि वह अपने ज्ञान और कौशल का प्रदर्शन कर सके। जब वह पढ़ाई पूरी करे तो उसके पास कमसे कम दो बड़ी कंपनियों के आफर लैटर हों। वैसे हमारी फैकल्टी इस बात के लिए भी विद्यार्थियों को प्रेरित करती है कि वे अपना रोजगार खड़ा कर सके, इसके लिए हमने इंडस्ट्री के साथ मिलकर नए पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। ऐसे विद्यार्थियों को न केवल इंडस्ट्री मदद करेगी वरन विश्वविद्यालय ने भी इनकी आर्थिक मदद करने की योजना बनाई है। उन्होंने अपने संदेश में यह भी कहा कि हम अपने विश्वविद्यालय में शोध पर आधारित शिक्षा दे रहे हैं। तेजी से बदल रही दुनिया के लिए हर रोज हर क्षेत्र में शोध की आवश्यकता को नकारा नहीं जा सकता। तकनीकि के विकास के लिए शोध का कितना महत्व है यह हमारा देश जान चुका है। हमारी कोशिश है कि हम इस क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह देते हुए कहा कि उच्च शिक्षा के लिए वे बहुत सोच समझ कर विषय का चयन करें। अपनी रुचि और उद्देश्य को ध्यान में रखकर ही आगे की पढ़ाई करें, ताकि वे देश के लिए एक अच्छी प्रतिभा साबित हों।

★ ★ ★ ★ ★ ★

मार्क एक्झास्ट लिमिटेड कंपनी में चयनित छात्र अशोक, राजगुरु, चेतराम, दीपक।

संस्कृति विवि के छात्रों को अच्छे वेतनमान पर मिली नौकरी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के बी.टेक. और डिप्लोमा के 12 विद्यार्थियों का चयन गुरुग्राम स्थित देश की अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कंपनी मार्क एक्झास्ट लिमिटेड में अच्छे वेतनमान पर हुआ है। कंपनी के एचआर विभाग द्वारा आन लाइन आयोजित किए गए इस प्लेसमेंट प्रोग्राम के दौरान छात्रों को लंबे साक्षाकात्कार और कौशल परीक्षा से गुजरकर यह उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नौकरी पाने वाले सभी छात्रों को बधाई के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई है। कंपनी के जनरल मैनेजर कार्पोरेशन (एचआर एंड आईआर) अशोक गुप्ता ने कंपनी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आटोमोबाइल कंपोनेंट के निर्माण के क्षेत्र में कंपनी अग्रणी स्थान रखती है। कंपनी ने योरोप और भारत के आटोमोबाइल निर्माताओं के साथ व्यापारिक संबंधों में अपने गुणवत्तायुक्त उत्पादों के कारण प्रगाढ़ संबंध और विश्वास अर्जित किया है। कंपनी मारुति उद्योग लिमिटेड के लिए भी मिलकर उत्पाद तैयार करती है। उन्होंने बताया कि संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने चयन प्रक्रिया के दौरान अपने ज्ञान और कौशल का अच्छा प्रदर्शन किया है, हमें उम्मीद है कि चयनित विद्यार्थी कंपनी की प्रगति में अपना विशेष योगदान देंगे। कंपनी द्वारा चयनित विद्यार्थियों में बी.टेक एंड डिप्लोमा के चेतराम, दीपक कुमार, अशोक, राजगुरु सिंह, राहुल सिंह, रोहित कुमार सिंह, ब्रिजेश कुमार यादव, प्रिंस कुमार, सुमित राघव, अभय प्रताप, अंकुश, बाबी कुमार हैं। विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने चयनित विद्यार्थियों को उनके प्लेसमेंट पर बधाई देते हुए कहा कि अपने ज्ञान और कौशल से नियोक्ता कंपनी के विकास में अपना सारा श्रम समर्पित करें। कंपनी की प्रगति ही आपके यश में वृद्धि करेगी। संस्कृति विश्वविद्यालय की कौशल और नवाचार से ओतप्रोत शिक्षा का ही यह प्रभाव है कि विवि के विद्यार्थियों को नामी-गिरामी कंपनियों ने हाथों-हाथ लिया। इस सत्र में अभी तक 90 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों को विप्रो, जस्ट डायल, मोबेलाइट, वियोस्को मोल्डिंग प्रा.लि., पे मी इंडिया, आईडीएस इन्फोटेक, मोबिलाइट टेक्नोलश्वजी, विक्टोरा टूल्स प्रा.लि., जारो ग्रुप, एक्रो लैब, आप्ट्रा आटोटोमेशन लि., जीबाक्सज, टीवाईएम से, विकास ग्रुप, मैजिक पिन, ई विजन टेक्नोसर्व, शिवानी लॉक्स, एसकेएच कृष्णा, हिंदुस्तान रिक्यूटर्स में नौकरी मिल चुकी है।

★ ★ ★ ★

संस्कृति विवि के सेमिनार हाल में शिक्षकों को संबोधित करते कुलपति डा. राणा सिंह।

संस्कृति विवि में पांच अगस्त से शुरू हैं आनलाइन कक्षाएं

चुनौती भरे माहौल में पूरा करना है शिक्षण का दायित्वःडा. राणा

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के डीन और फैकल्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक सेमिनार हाल में सोशल डिस्टेंसिंग के मानकों को पूरा करते हुए संपन्न हुई। बैठक में वक्ताओं ने कोविड-19 के प्रकोप के चलते उत्पन्न हुए विषम हालातों में विद्यार्थियों के शिक्षण कार्य को बिना प्रभावित हुए समय से और पूर्ण दक्षता से संपन्न कराने के निर्देश और सुझाव दिए। बैठक में कहा गया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना की चुनौतियों को स्वीकारते हुए विद्यार्थियों की शिक्षा किसी हाल में बाधित न होने देने का संकल्प लिया है। हम सभी शिक्षकों को यह संकल्प पूरा करना है।

बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राणा सिंह ने कहा कि हमने समय से पूर्व वर्तमान हालातों का अनुमान लगाते हुए अपने यहां आनलाइन कक्षाएं शुरू कर दी थीं। इसका लाभ यह हुआ कि सभी पाठ्यक्रम समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार पूरे हुए। विद्यार्थियों ने भी आनलाइन कक्षाओं में अच्छी संख्या में भाग लेकर उच्च शिक्षा के प्रति अपनी गंभीरता का प्रदर्शन किया। समय से कोर्स पूरे हो जाने से परीक्षा विभाग परीक्षाएं कराने की तैयारियों में जुट गया। समस्या यह थी कि विद्यार्थी लाकडाउन के चलते विश्वविद्यालय आ नहीं सकते थे। ऐसे में विवि प्रशासन ने परीक्षाओं को आनलाइन संपन्न कराने का निर्णय लिया। परीक्षा विभाग और विवि के आईटी सेल के सामने इतने सारे विद्यार्थियों की त्रुटि रहित परीक्षा कराने की चुनौती आ गई।

ऐसे में इन विभागों की टीम ने युद्धस्तर पर काम किया और एक माह और कुछ दिन में सभी पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं त्रुटिरहित परीक्षाएं संपन्न कराईं। यह एक बड़ी सफलता थी, जिसके लिए हम अपनी परीक्षा विभाग की टीम और आईटी सेल के टेक्नीशियनों की सराहना करते हैं। उल्लेखनीय बात यह रही कि परीक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति 97 प्रतिशत रही। जिसकी वजह से हम समय से परीक्षा परिणाम घोषित कर सके। इतना ही नहीं अब हम नया सेशन शुरू कर चुके हैं, पांच अगस्त से। चूंकि कोरोना के कारण अभी यह अनुमान लगाना कठिन हो पा रहा है कि भौतिक रूप से कक्षाएं कब शुरू होंगी, इसलिए हमें आनलाइन ही आगे का शिक्षण कार्य पूरा करना है।

संस्कृति स्कूल आफ इंजीनियरिंग के डीन डा. सुरेश कासवान ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों के शिक्षण कार्य को आनलाइन संपन्न कराने के लिए अपग्रेड कंपनी से एमओयू किया है। इस कंपनी द्वारा एक ऐसा प्लेटफार्म (एप) उपलब्ध कराया गया है जिसके द्वारा एक साथ अनेक विद्यार्थी आन लाइन क्लास अटेंड कर सकते हैं।

इस प्लेटफार्म पर विद्यार्थियों को अपने विषय संबंधी लेक्चर कभी भी सुन सकने की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही इसके माध्यम से सभी आवश्यक डेटा तैयार किया जा सकता है।

विशेषज्ञों की वेबिनार का विद्यार्थी लाभ उठा सकते हैं। हमारी फैकल्टी विद्यार्थियों की विषय संबंधी समस्याओं का आनलाइन समाधान कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों को चाहिए कि जब तक स्थितियां सामान्य न हो जाएं वे आनलाइन उसी तरह से अपना शिक्षण कार्य करें जैसा सामान्य दिनों में करते हैं। विद्यार्थियों को प्रेरित करें की उनकी कक्षाएं विद्यार्थी मिस न करें। इंटरनल परीक्षाएं समय से हो जाएं और उसके लिए विद्यार्थियों को सचेत भी कर दें। बैठक में विवि के रजिस्ट्रार पूरन सिंह, डिप्टी रजिस्ट्रार दिलीप सिंह, संस्कृति स्कूल आफ इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष विंसेट बालू, स्कूल आफ मेडिकल एंड एलायड साइंसेज की ड़ा. पल्लवी श्रीवास्तव, स्कूल आफ मैनेजमेंट एंड कामर्स के डीन सी.पी. वर्मा, स्कूल आफ एजूकेशन के विभाध्यक्ष डा. महमूद खान, स्कूल आफ फार्मेसी एंड रिसर्च सेंटर की विभागाध्यक्ष डा. अनामिका सक्सेना, प्रशासनिक अधिकारी विवेक श्रीवास्तव, डिप्टी कंट्रोलर एक्जामिनेशन मनोज ओझा, ईआरपी मैनेजर प्रवीन शर्मा, सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर (आईटी सेल) सुधांशु पी. शाह आदि अनेक फैकल्टी सदस्य और विवि के अधिकारी मौजूद रहे।

★ ★ ★ ★ ★ ★

इंग्लिश बोलो बेधड़क कोर्स के ऑनलाइन उद्घाटन समारोह में बोलते व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री (मंत्री स्वतंत्र प्रभार) उत्तर प्रदेश सरकार कपिल देव अग्रवाल।

संस्कृति विश्वविद्यालय में इंग्लिश बोलो बेधड़क कोर्स का ऑनलाइन हुआ उद्घाटन

मथुरा। संस्कृति विश्विविद्यालय में स्किलिंग यू के इंग्लिश बोलो बेधड़क कोर्स का ऑनलाइन उद्घाटन व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास उत्तर प्रदेश सरकार कपिल देव अग्रवाल (मंत्री स्वतंत्र प्रभार) के द्वारा किया गया। दिल्ली स्थित एडटेक कंपनी स्किलिंग यू और संस्कृति यूनिवर्सिटी मथुरा ने एक समझौते के तहत, स्किलिंग यू के तरफ से विश्विद्यालय के सभी छात्रों को नि:शुल्क इंग्लिश स्पीकिंग का कोर्स मोबाइल एप के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा । इस मोबाइल एप्लीकेशन का ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए मंत्री कपिलदव ने इसकी सराहना करते हुए छात्रों से कहा कि आज के तेजी से बदलते दौर में इंग्लिश स्पीकिंग की स्किल्स कितनी महत्वपूर्ण है, उन्होंने आगे कहा की स्टूडेंट्स को चाहिए की वो अपने ग्रुप्स में जब भी मौका मिले, टूटी फूटी ही सही इंग्लिश बोलने की शुरुवात करें, इससे ना सिर्फ वो बोलना शुरू कर पाएंगे बल्कि उन्हें बोलना का आत्मविश्वास भी आएगा । कार्यक्रम के दौरान संस्कृति विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने कहा कि हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों कि प्रगति के लिए हर वो साधन और एप्स सुलभ कराएं जिससे वे इतने कोशलवान और स्किलफुल हो जाएं कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार पाने में कोई समस्या न आए। उन्होंने कहा ये तो एक शुरुआत है, वर्तमान दौर को देखते हुए हमने कई अनेक योजनाएं बनाई हैं, जिनपर शीध काम शुरू होगा। ऑनलाइन हुए इस उद्घाटन समारोह में के विवि के प्रो चांसलर राजेश गुप्ता, वाईस चांसलर डॉ राना सिंह और मुकेश जी गुप्ता (सेक्रेटरी जनरल – विजन दिव्यांग) और स्किलिंग यू के तरफ से फाउंडर एंड सीईओ प्रवीण कुमार राजभर, वाईस प्रेसिडेंट रविश मल्होत्रा उपस्थित रहे और रोजगारपरक शिक्षा और इंग्लिश स्पीकिंग पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के समापन में वाईस चांसलर डॉ राना सिंह मुख्य अतिथि माननीय कपिल देव अग्रवाल जी सहित सभी गेस्ट स्पीकर्स का को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा स्टूडेंट्स को बताया की वो स्किलिंग यू का यह 90 दिनों का यह इंग्लिश बोलो बेधड़क कोर्स गूगल प्ले स्टोर से मोबाइल एप डाउनलोड करके सीखना शुरू कर सकते हैं। ★ ★ ★ ★

फिजियोथैरेपी से मिलती है दर्द से मुक्ति, शरीर होता है स्वस्थ

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ मेडिकल एंड एलाइड साइंसेज के फिजियोथैरेपी विभाग ने एक उपयोगी वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में फिजियोथैरेपी के द्वारा शारीरिक समस्याओं के निदान पर विस्तार से मंथन करते हुए इसके उपयोग और सार्थकता पर व्याख्यान दिए गए। वेबिनार में उपस्थित जिला चिकित्सालय मथुरा के फिजियोथैरेपी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राहुल शर्मा ने कहा कि हमारे शरीर की मांसपेशियों अथवा हडडियों में चोट के कारण हमारी दैनिक गतिविधियां प्रभावित हो जाती हैं। ऐसा किसी भी उम्र के लोगों के साथ हो सकता है। अंगों में दर्द रहने के कारण कार्य करने में दिक्कत आने लगती है। कभी-कभी स्थिति ऐसी होती है मरीज न तो झुक पाते हैं न सीधे खड़े हो पाते हैं। फिजियोथैरेपी के माध्यम से मरीज को इन समस्याओं से निदान दिलाने में काफी सहायता मिलती है। फिजियो थैरेपिस्ट लाखों मरीजों के जीवन को नारकीय जीवन जीने से मुक्ति दिलाने में सफल हुए हैं। स्कूल आफ मेडिकल एंड एलाइड साइंसेज की डीन डा. पल्लवी श्रीवास्तव ने वेबिनार में उपस्थित विशिष्ठ अतिथियों और विद्यार्थियों को धन्यवाद देते कहा कि संस्कृति स्कूल आफ मेडिकल एंड एलाइड साइंसेज के फिजियोथैरेपी विभाग के चिकित्सकों ने समय-समय पर शिविर लगाकर जरूरतमंदों को इलाज के साथ आवश्यक मशविरा भी दिया है। हमारे यहां विद्यार्थियों ने इस विभाग से ज्ञान और कौशल दोनों अर्जित किए हैं। उन्होंने बताया कि गत आठ फरवरी को फिजियोथैरेपी विभाग के विद्यार्थियों ने 'विश्व फिजियोथैरेपी दिवस' पर विषय संबंधी और जागरूकतापरक पोस्टर भी बनाए। इस उपयोगी वेबिनार का संचालन डा. प्रेक्षा शर्मा ने किया।

★ ★ ★ ★

B.TECH-CS
with Artificial Intelligence & Machine Learning

Offering upGrad Semester Certificate Program in Full Stack Devp. which includes
10 Interviews Opportunities

MBA
with Artificial Intelligence & Machine Learning

Offering upGrad Semester Certificate Program in Business Analytics which includes
5 Interviews Opportunities

संस्कृति विवि में स्वतंत्रता दिवस समारोह में अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते कुलपति डाक्टर राणा सिंह।

संस्कृति विश्वविद्यालय में उत्साह के साथ मना स्वतंत्रता दिवस

मथुरा। देश का ७४ वां स्वतन्त्रता दिवस झंडारोहण के साथ पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में योगदान देने का संकल्प लिया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। विश्विद्यालय के कुलपति डॉ राणा सिंह ने ध्वजारोहण के बाद उपस्थित शिक्षकों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज लाल किले की प्राचीर से हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को हर दिशा में आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया है, हम सबको इस सपने को साकार करने में योगदान देना है। उन्होंने सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। इस मौके पर डिस्प्रेम से जुड़ी कविताओं का भी पाठ किया गया। समारोह में विवि के रजिस्ट्रार पूर्ण सिंह, डिप्टी रजिस्ट्रार दिलीप सिंह, एडमिशन सेल के डायरेक्टर अवंती कुमार, विजय सक्सेना, एडमिनिस्ट्रेशन इंचार्ज विवेक श्रीवास्तव, आईटी इंचार्ज सुधांशु श्रीवास्तव, एग्जामिनेशन सेल के मनोज ओझा, इआरपी सेल के प्रवीण शर्मा, सुरछा अधिकारी सुबोध कुमार मौजूद थे। ★ ★ ★ ★

संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में शिक्षकों को संबोधित करते हुए विश्विद्यालय के कुलाधिपति सचिन गुप्ता।

शिक्षक अपने दायित्वों का पालन मनोयोग से करें: सचिन

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। सोशल डिस्टेंसिंग और सुरक्षा के मानकों का पालन करते हुए सभागार में आयोजित समारोह में वक्ताओं ने अपने गुरुओं का स्मरण करते हुए शिक्षकों के दायित्व का विस्तार से विवेचन किया। साथ ही देश की तरक्की के लिए अपने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया। इस मौके पर संस्कृति विश्वविद्यलय के चेयरमैन सचिन गुप्ता ने शिक्षकों से कहा कि वे अपने काम को पैशन के साथ करें। विद्यार्थियों को कोशल और नवोन्मेष की शिक्षा के लिए संस्कृति विश्वविद्यालय हर साधन उपलब्ध करने के लिए हमेशा तैयार रहता है। शिक्षकों को इसका लाभ उठाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के रोल मॉडल बनें। उनका शिक्षा प्रदान करने का तरीका ऐसा होना चाहिए कि विद्यार्थी उनके लेक्चर मिस ना करें।

उन्होंने कहा शिक्षकों को भगवान से उपर का दरजा दिया जाता है, इसलिए उनकी जिम्मेदारी भी बड़ी होती है। इस मौके पर विश्विद्यालय के कुलपति राणा सिंह, डीन सुरेश कासवान, डाक्टर पल्लवी, डाक्टर सीपी वर्मा, विंसेंट बालू आदि ने विचार व्यक्त किए। शिक्षक दिवस के मौके

पर शिक्षा के दायित्वों संबंधी संदेश देती रचनाएं और गीत भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंटप्रोफेसर लीशा युगल ने किया। देर शाम तक चले इस कार्यक्रम का समापन हाई टी के साथ हुआ। ★ ★ ★ ★

संस्कृति विवि के छात्र बोलेंगे बेधड़क अंग्रेजी, निशुल्क मिलेगी शिक्षा

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय एवं स्किलिंग यू के कंपनी के बीच विवि के छात्र-छात्राओं को निशुल्क अंग्रेजी व रोजगार प्रशिक्षण देने का समझौता हुआ है। विश्वविद्यालय की ओर से रजिस्ट्रार पूरन सिंह और स्किलिंग यू कंपनी की ओर से कंपनी के फाउंडर एवं सीईओ प्रवीण कुमार राजभर ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसका मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं का कौशल विकास तथा रोजगार दिलाना है। इस समझौते के बाद संस्कृति विश्वविद्यालय के पांच हजार से अधिक छात्र-छात्राएं बेधड़क अंग्रेजी बोलने के लिए एक एप निशुल्क मिलेगा।

संस्कृति विवि के रजिस्ट्रार पूरन सिंह ने बताया कि विद्यार्थी खाली समय का उपयोग कर अपने उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं। इस एप के लिए विद्यार्थियों को कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि आज वैश्विक परि श्य में हम अंग्रेजी के महत्व को कम नहीं आंक सकते। भविष्य में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारे बच्चे सिर्फ इसलिए पीछे न रह जाएं कि वे अच्छी अंग्रेजी नहीं बोल पाते। विद्यार्थियों की इस कमी को दूर करने के लिए ही विवि प्रशासन ने यह समझौता किया है।

कंपनी के सीईओ प्रवीण कुमार राजभर ने बताया कि इस कोर्स के तहत नई दिल्ली की स्किलिंग यू कंपनी द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से संस्कृति विवि के विद्यार्थियों को रोजाना प्रयोग में आने वाली अंग्रेजी के बारे में जानकारी दी जाएगी।

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर काम किया जाएगा तथा विद्यार्थियों का इंटरव्यू स्किल, कम्युनिकेशन स्किल एवं व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में मार्गदर्शन किया जाएगा। राजभर ने बताया कि अंग्रेजी कोर्स करने के बाद टीचिंग, जर्नलिज्म, रिसर्च, ट्रांसलेशन के अलावा कंटेंट राइटिंग के क्षेत्र में भी विद्यार्थी अपना भविष्य बना सकेंगे। पाठ्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को अंग्रेजी बोलना, पढ़ना और लिखना सिखाया जाएगा। यह पाठ्यक्रम संस्कृति विवि में एडमिशन लेने वाले हर विद्यार्थी को निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

★ ★ ★ ★

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
www.sanskriti.edu.in
• ENGINEERING • BAMS • HOSPITALITY • AGRICULTURE
• EDUCATION • BUMS • MANAGEMENT • B. PHARM
• LAW • PHYSIOTHERAPY • BIOTECH • D. PHARM
• FASHION • PARA-MEDICAL
RANKED AMONG TOP 15 UNIVERSITY IN INDIA BY INDIA TODAY ASPIRE
1000+ Research Papers Published
150+ Patents
1st Incubation Centre Approved By MSME-PPDC in Mathura Dist.
91% PLACEMENT
28 K.M. Stone, Mathura-Delhi Highway, Chhata, Mathura
93585-12345

संस्कृति विवि के छात्रों को न्यू एलन बैरी वर्क्स में मिली नौकरी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को फरीदाबाद स्थिति प्रतिष्ठित कंपनी न्यू एलनबैरी वर्क्स में बड़ी संख्या में नौकरी मिली है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोराना महामारी के चलते देश में पैदा हुए रोजगार संकट के दौरान विद्यार्थियों को रोजगार पाने में मिल रही सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनकी मेहनत, पढ़ाई के प्रति गंभीरता और लगन की सराहना की है। न्यू एलन बैरी वर्क्स के सीनियर मैनेजर (पर्सनल एंड आईआर) डीबीएस यादव ने बताया कि एलन बैरी एक प्रतिष्ठित कंपनी है जो मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ संपूर्ण गियर निर्माण इकाई है।

कंपनी ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा देने के लिए जानी जाती है।

उन्होंने बताया कि संस्कृति विवि के छात्र-छात्राओं का चयन एक निर्धारित योग्यतापरक चयन प्रक्रिया के तहत हुआ। विवि के विद्यार्थियों ने अपनी योग्यता परिचय देकर इंटरव्यू क्वालीफाई किया है।

इन सभी बच्चों को आफर लैटर दिये जा रहे हैं। चयनित विद्यार्थियों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा के वसीम खान, विष्णु शर्मा, पवन कुमार पांडे, यादवीर, राजेश रावत, राहुल सोराउत, विवेक कुमार, प्रद्युम्न शुक्ला, सौरभ कुमार, वेद सिंह, योगेंद्र, अभय प्रताप, योगेश शर्मा, प्रसान्त यादव, दीपक कुमार साह अंकुश हैं।

विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने चयनित छात्र-छात्राओं को उनके प्लेसमेंट पर बधाई देते हुए कहा कि अपने ज्ञान और कौशल से नियोक्ता कंपनी के विकास में अपना सारा श्रम समर्पित करें। कंपनी की प्रगति ही आपके यश में वृद्धि करेगी।

संस्कृति विश्वविद्यालय की कौशल और नवाचार से ओतप्रोत शिक्षा का ही यह प्रभाव है कि विवि के विद्यार्थियों को नामी-गिरामी कंपनियों ने हाथों-हाथ लिया। इस सत्र में अभी तक 90 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों को विप्रो, जस्ट डायल, मोबेलाइट, वियोस्को मोल्डिंग प्रा.लि., पे मी इंडिया, आईडीएस इन्फोटेक, मोबिलाइट टेक्नोलॉजी, विक्टोरा टूल्स प्रा.लि., जारो ग्रुप, एक्रो लैब, ऑप्ट्रा ऑटोमेशन लि., जीबाक्सज, टीवाईएम से, विकास ग्रुप, मैजिक पिन, ई विजन टेक्नोसर्व, शिवानी लॉक्स, एसकेएच कृष्णा, हिंदुस्तान रिक्यूटर्स में नौकरी मिली है।

न्यू एलन बैरी वर्क्स में नौकरी पाने वाले संस्कृति डिप्लोमा इंजीनियरिंग के छात्र।

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE

संस्कृति डिग्री कॉलेज

www.sanskriti.edu.in

संस्कृति यूनिवर्सिटी (SU)

Courses

- बैचलर ऑफ आर्टस (बी.ए.)
- बैचलर ऑफ सांइस (बी.एस सी.)
- बैचलर ऑफ लाइब्रेरी (बी.लिब.)
- मास्टर ऑफ कॉमर्स (एम.कॉम.)
- मास्टर ऑफ आर्टस (एम.ए.)
- मास्टर ऑफ सांइस (एम.एस सी.)
- मास्टर ऑफ लाईब्रेरी (एम.लिब.)

28 कि.मी. स्टोन, मथुरा - दिल्ली हाईवे, छाता, मथुरा (यू.पी.)

संस्कृति इंजीनियरिंग स्कूल की कार्यशाला में ऐंटी मिसाइल एंड सर्वेलांस रोबोट का निरीक्षण करते हुए विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता। साथ में हैं विवि के कुलपति डा.राणा सिंह।

संस्कृति विवि के छात्रों ने बनाया आटोनोमस ऐंटी मिसाइल रोबोट

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्रों का नवोन्मेष का अभियान जारी है। लंबे समय से जिन प्रोजेक्ट को लेकर विवि के छात्र प्रयासरत रहे वे अब अपने अंतिम चरण में पहुंच रहे हैं। लगातार जनउपयोगी उपकरण बनाकर विद्यार्थियों ने अपने कौशल और शिक्षा का प्रदर्शन किया है। इसी क्रम में संस्कृति स्कूल आफ इंजीनियरिंग के छात्रों ने एक ऐसा रोबोट बनाया है जो ऐंटी मिसाइल एंड सर्वेलांस का काम करेगा। यह सेना के लिए बड़े काम का है। संस्कृति इंजीनियरिंग स्कूल के विभागाध्यक्ष विंसेंट बालू ने जानकारी देते हुए बताया है कि इंजीनियरिंग विभाग की संकाय सदस्य शिखा पाराशर की देखरेख में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र राजकुमार, चेतराम, हरीओम, दीपक, पुष्पेंद्र बाबू, रघुबीर सिंह यादव, नरेश, अशोक, लोकेंद्र राघव, सागर शर्मा ने कठिन परिश्रम और लगन से उन्नत तकनीकियों का प्रयोग करते हुए ऐंटी मिसाइल एंड सर्विलांस रोबोट विकसित किया है।

यह रोबोट संस्कृति विवि के मैकेनिकल विभाग की कार्यशाला में ही छात्रों ने विकसित किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालातों में सेना अनेक खतरों से जूझ रही है। आक्रमण का खतरा हर समय बना रहता है।

अपनी सेना को नुकसान से बचाने के लिए ही विद्यार्थियों ने इस आटोनामस ऐंटी मिसाइल एंड सर्वेलांस रोबोट को बनाने का विचार किया। ये रोबोट सीमा सुरक्षा और रक्षा के उद्देश्यों के लिए उपयोगी है। रोबोट की प्रोग्रामिंग इस तरह से की गई है कि वह किसी भी लक्ष्य का पता लगाकर स्वचालित तरीके से उसे शूट कर सके। इसके विकास में जीएसएम, जीपीएस प्रणाली, कैमरा और लाइव ट्रैकिंग की सुविधाओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा निगरानी करने के लिए कई अन्य सेंसर सिस्टम लगाए गए हैं। यह रोबोट स्वंयं लक्ष्य को खोजकर उसे नष्ट करने की क्षणता रखता है। इसके द्वारा बेहतर तरीके से निगरानी का काम भी किया जाता है। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए रोबोट का निरीक्षण कर संस्कृति विवि के चेयरमैन सचिन गुप्ता ने विद्यार्थियों का यह प्रयास देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने लक्ष्य में निरंतर कामयाब हों, ऐसा ही प्रयास होना चाहिए।

★ ★ ★ ★ ★ ★

संस्कृति विवि ने समय से कराईं आनलाइन परीक्षाएं

मथुरा। कोविड-19 के पड़ने वाले व्यापक प्रभाव को संस्कृति विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूर्व में ही अनुमान कर अपने यहां कक्षाओं, सेमिनार और प्रवेश की सुदृढ़ कर ली थी। पूर्व सजगता के चलते ही विश्वविद्यालय देश की उन चंद यूनिवर्सिटी में शामिल हो सका जिसने अपने यहां सभी परीक्षाएं 97 प्रतिशत विद्यार्थियों की उपस्थिति के साथ संपन्न कराई।

समय से परीक्षाएं हो जाने से परीक्षार्थियों के शिक्षण सत्र में इतने विपरीत हालातों के चलते भी कोई विशेष असर नहीं पड़ा है। वे अपनी अगली कक्षाओं में प्रवेश ले रहे हैं और उनके पाठ्यक्रमों में आनलाइन पढ़ाई भी शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सचिन गुप्ता के निर्देश पर कुलपति, डीन और फैकल्टी ने एक टीम के रूप में जुटकर कोरोना काल में तत्परता से आनलाइन पाठ्यक्रम पूरे कराए।

इसका लाभ यह हुआ कि विश्वविद्यालय समय से परीक्षाएं कराने में भी समर्थ हो सका। पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद परीक्षा विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों के साथ मिलकर परीक्षा कार्यक्रम तैयार किया और को विद्यार्थियों को सूचना देकर आनलाइन परीक्षाओं की सुदृढ़ व्यवस्था की।

जुलाई 2020 में क्रमवार सभी पाठ्यक्रमों की आनलाइन परीक्षाएं हुई और जुलाई माह में ही विभिन्न पाठ्यक्रमों की लगभग 745 परीक्षाएं आनलाइन संपन्न करा ली गई। संतोषजनक स्थिति यह थी कि इन परीक्षाओं में लगभग 97 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। जिन विद्यार्थियों की परीक्षाएं किन्ही कारणवश छूट गई उनको भी दोबारा आनलाइन परीक्षा कराने का अवसर दिया जा रहा है।

संस्कृति विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पूरन सिंह ने बताया कि कोरोना महामारी ने शिक्षण कार्य के लिए एक बड़ा खतरा खड़ा कर दिया था और वर्तमान में भी है। ऐसी स्थिति को भांप लेना ही विश्वविद्यालय के लिए सफलता का कारण बना है।

प्रारंभ में ही हमारे वीसी, डीन और फैकल्टी ने युद्ध स्तर पर जूम और अन्य दूसरे एप के माध्यम से कक्षाएं शुरू कराकर पाठ्यक्रम पूरे कराए। पाठ्यक्रम पूरे हो जाने पर चुनौती थी परीक्षाएं कराने की।

ऐसी स्थिति में आनलाइन परीक्षाओं कराने की तैयारियों में परीक्षा विभाग जुट गया और परिणामस्वरूप समय से सभी परीक्षाएं हो गई। इतना ही नहीं मूल्यांकन कार्य भी द्रुत गति से हुआ और हम परीक्षा परिणाम समय के अंदर ही दे पाए। आज हमारे यहां पांच अगस्त से आधुनिकतम प्लेटफार्म पर पांच अगस्त से कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया भी आनलाइन जारी है।

★ ★ ★ ★

संस्कृति विवि के छात्रों द्वारा बनाया गया आटोनामस रोबोट, साथ में कुलाधिपति सचिन गुप्ता एवं छात्र और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिकारी।

संस्कृति के छात्रों ने बनाया आटोनॉमस रोबोट, करेगा कई काम

मथुरा। नए अविष्कारों की दिशा में संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्रों ने लगातार प्रयासों के बाद एक आटोनॉमस रोबोट का निर्माण कर दिखाया है।

विश्वविद्यालय की वर्कशाप में पूरी तरह से विकसित किया गया यह रोबोट आगंतुकों का स्वागत करने और उनके शारीरिक तापमान को बताने के अलावा अन्य बहुत से काम करने में समर्थ है।

संस्कृति स्कूल आफ इंजीनियरिंग के मैकेनिकल विभाग के बी.टेक. के छात्रों ने विभाग की संकाय सदस्य सुश्री शिखा पाराशर के मार्गदर्शन में इस रोबोट का निर्माण किया है।

सुश्री शिखा पाराशर ने बताया कि रोबोट मैकेनिकल विभाग की वर्कशॉप में ही पूरी तरह से बनाया और विकसित किया गया है। यह रोबोट आगंतुकों का सिर हिलाकर अभिवादन करने, हाथ मिलाने में पूरी तरह समर्थ है। इसके अतिरिक्त मिलने वाले के शारीरिक तापमान, पर्यावरण से नमूनों को एकत्र करने, आडियो प्लेबैक के माध्यम से गति का पता लगाने, एलसीडी पैनल पर तापमान, आद्रता और हानिकारक गैसों पता लगाने और बताने में समर्थ है।

इतना ही नहीं गैस के रिसाव को पता लगाकर अलार्म के माध्यम से चेतावनी देने का भी काम कर सकता है। बी.टेक. मैकेनिकल के छात्र अंश मिश्रा, आकाश कुमार, आशीष यादव, गोविंद सिंह और योगेश गौतम ने लगातार परिश्रम कर इस रोबोट को तैयार किया है। अपने ज्ञान और कौशल से छात्रों ने पूर्ण समर्पण के साथ इसको बनाकर इंजीनिरिंग के कमाल का प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने रोबोट का निरीक्षण कर छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि आप लोगों का छोटा सा काम भी देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

आप जुटे रहिए एक दिन ऐसा आएगा कि भारत के युवा नई तकनीकियों को जन्म देंगे, जिससे देश को विश्व स्तर पर पहचान मिलेगी।

इस मौके पर छात्र अंश मिश्रा, आकाश कुमार के अतिरिक्त विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, स्कूल आफ इंजीनियरिंग के डीन सुरेश कासवान, विभागाध्यक्ष सेमी विंसेंट बालू, संकाय सदस्य शिवम अग्रवाल भी मौजूद रहे।

★ ★ ★ ★ ★ ★